



Wed - 07 Oct- 2026

Year - 01

Issue 195

Page - 01

Rs. - 5

www.azadvani.com

4,000 रुपये रिश्तत लेते पटवारी और उसका एजेंट विजीलेंस के हथ्ये चढ़े



चंडीगढ़, 7 अक्टूबर: पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लुधियाना जिले के लोहारा स्थित पटवारखाने में तेनात पटवारी अंकुर कटारिया और उसके एजेंट राजा को 4,000 रुपये रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई न्यू राम नगर, लोहारा निवासी एक महिला की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता बैंक से ऋण लेने के लिए अपने मकान का 30 वर्ष का स्वामित्व रिकॉर्ड हासिल करना चाहती थी। इसके लिए उसने पटवारी अंकुर कटारिया से संपर्क किया था।

आरोप है कि पटवारी ने उसे राजा नामक बिचौलिए से संपर्क करने के लिए कहा। एजेंट ने मकान का स्वामित्व रिकॉर्ड उपलब्ध करवाने के बदले 5,000 रुपये रिश्तत की मांग की।

नाबालिग समेत आठ आरोपी गिरफ्तार, 15 अवैध पिस्तौल बरामद



चंडीगढ़/अमृतसर, 7 अक्टूबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले तीन नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए एक नाबालिग समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 15 आधुनिक पिस्तौल, 15 ज़िंदा कारतूस और दो कारें बरामद की हैं।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपियों के विदेशी हथियार तस्करो से कथित संबंध सामने आए हैं। आरोपी एक साझा स्रोत से अवैध हथियार हासिल कर उन्हें क्षेत्र में आगे सप्लाई कर रहे थे। पुलिस अब नेटवर्क की आगे-पीछे की कड़ियों का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सुखा, भल्ला सिंह, गौतम सिंह उर्फ बिल्ला, मनवीर सिंह उर्फ गुरवीर सिंह, जसकरणदीप सिंह उर्फ जस्सा, सिमरनजीत संधू उर्फ बिल्ला, अभी उर्फ बावा और 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है।

लाल लकीर के घरों को मिला मालिकाना हक, दशकों पुराना इंतजार खत्म: मुख्यमंत्री मान



धुरी, 7 अक्टूबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मेरा घर मेरे नाम योजना के तहत लाल लकीर के अंदर बने मकानों के मालिकों को मालिकाना हक प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने उन परिवारों के दशकों पुराने इंतजार को खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जो पीढ़ियों से अपने घरों में रह रहे थे, लेकिन उनके पास औपचारिक मालिकाना रिकॉर्ड नहीं था। उन्होंने कहा कि अब लाल लकीर पर सरकार या अदालतों की लटकती तलवार हटेगी और योग्य परिवारों को अपने घर का स्पष्ट एवं प्रमाणित अधिकार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का सबसे अधिक लाभ गरीब, दलित और भूमिहीन परिवारों को मिलेगा, जिनके घर पहली बार सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होंगे। हर घर और प्लॉट का सर्वेक्षण कर उसकी सीमाओं का नक्शा तैयार किया जा रहा है। इससे संपत्ति के स्वामित्व को लेकर होने वाले पारिवारिक और आपसी विवादों को कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि संपत्तियों की मैपिंग के लिए ड्रोन

सर्वेक्षण और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रत्येक संपत्ति को यूनिट नंबर, जीपीएस लोकेशन, ड्रोन मैप और क्यूआर कोड वाला प्रॉपर्टी कार्ड दिया जाएगा। इससे परिवारों को अपनी संपत्ति का सत्यापन योग्य और आधिकारिक रिकॉर्ड प्राप्त होगा।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि लगभग 4,000 गांवों में संपत्तियों की पक्की रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और इस वर्ष के अंत तक पूरे पंजाब को योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य है। पहले चरण में 2,295 गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड वितरित किए जा रहे हैं, जिनमें संगरूर जिले के 221 गांव शामिल हैं। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से अन्य गांवों को भी शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण के बाद तैयार नक्शे और स्वामित्व संबंधी विवरण सार्वजनिक किए जाएंगे, ताकि लोग रिकॉर्ड की जांच कर सकें और किसी गलती की स्थिति में समय रहते सुधार की मांग कर सकें। सत्यापन के बाद अंतिम रिकॉर्ड तैयार कर प्रॉपर्टी कार्ड जारी किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मालिकाना हक का प्रमाण मिलने से परिवारों को अपने घर की सुरक्षा और भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलेगी। जरूरत पड़ने पर प्रॉपर्टी को बैंक ऋण के लिए सुरक्षा के रूप में इस्तेमाल करने का रास्ता भी आसान हो सकता है, हालांकि ऋण की मंजूरी संबंधित बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल प्रॉपर्टी कार्ड बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से औपचारिक राजस्व रिकॉर्ड से बाहर रहे घरों को आधिकारिक पहचान देने का प्रयास है। सटीक रिकॉर्ड से विरासत, हस्तांतरण और पंजीकरण संबंधी कार्यों में भी सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि धुरी को 47 करोड़ रुपये का जल प्रोजेक्ट दिया गया है और नहरी पानी कृषि योग्य भूमि के 88 प्रतिशत हिस्से तक पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के लोगों को अधिकार, सुविधाएं और बेहतर भविष्य देना है।

नाबालिग समेत आठ आरोपी गिरफ्तार, 15 अवैध पिस्तौल बरामद; अमृतसर पुलिस ने तीन हथियार सप्लाई नेटवर्क का किया खुलासा

चंडीगढ़/अमृतसर, 7 अक्टूबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 आधुनिक पिस्तौल, 15 ज़िंदा कारतूस और दो कारें बरामद की हैं।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरोपियों के विदेशी हथियार तस्करो से कथित संबंध सामने आए हैं। आरोपी एक साझा स्रोत से अवैध हथियार हासिल कर उन्हें क्षेत्र में आगे सप्लाई कर रहे थे। पुलिस अब नेटवर्क की आगे-पीछे की कड़ियों का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सुखा, भल्ला सिंह, गौतम सिंह उर्फ बिल्ला, मनवीर सिंह उर्फ गुरवीर सिंह, जसकरणदीप सिंह उर्फ जस्सा, सिमरनजीत संधू उर्फ बिल्ला, अभी उर्फ बावा और 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह उर्फ सुखा, भल्ला सिंह, गौतम सिंह उर्फ बिल्ला, मनवीर सिंह उर्फ गुरवीर सिंह, जसकरणदीप सिंह उर्फ जस्सा, सिमरनजीत संधू उर्फ बिल्ला, अभी उर्फ बावा और एक 17 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। ये आरोपी मोगा,

तरनतारन, लुधियाना और अमृतसर से संबंधित हैं।

पहली कार्रवाई में पुलिस ने सतनाम उर्फ सुखा और भल्ला सिंह को कार से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच पिस्तौल और पांच ज़िंदा कारतूस बरामद किए। दूसरी कार्रवाई में गौतम उर्फ बिल्ला, मनवीर उर्फ गुरवीर सिंह और जसकरणदीप उर्फ जस्सा को सात अवैध पिस्तौल और 10 ज़िंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया। उनकी कार भी जब्त की गई।

तीसरी कार्रवाई में पुलिस ने सिमरनजीत उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसके साथी अभी उर्फ बावा और एक नाबालिग को भी काबू किया गया तथा उनके कब्जे से तीन पिस्तौल बरामद हुईं। पुलिस के अनुसार तीनों मामलों की जांच में आरोपियों के एक साझा स्रोत से अवैध हथियार हासिल कर आगे सप्लाई करने की बात सामने आई है।

बरामद हथियारों में इटली निर्मित तीन .30 बोर बरेटा पिस्तौल, एक .30 बोर पीएस5 स्टॉर्म, चीन निर्मित एक .30 बोर पिस्तौल के अलावा अन्य .30 और .32 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

इस संबंध में थाना छावनी, थाना इस्लामाबाद और थाना

छेहरटा में असला एक्ट के तहत तीन अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस आरोपियों के हथियारों के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और संभावित अन्य सहयोगियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ के दौरान हथियारों की खरीद, परिवहन और आगे सप्लाई से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच टीम यह भी पता लगा रही है कि बरामद हथियार किन लोगों तक पहुंचाए जाने थे और इस नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हो सकते हैं।



संगरूर के लाखों लोगों को स्वच्छ पेयजल की सौगात, 47.38 करोड़ रुपये से बनेगा 14 एमएलडी जल शोधन संयंत्र



संगरूर, 7 अक्टूबर: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को धुरी विधानसभा क्षेत्र के गांव बरड़वाल में 47.38 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 14 एमएलडी क्षमता के जल शोधन संयंत्र की आधारशिला रखकर धुरी और संगरूर के लोगों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में नहर के पानी को आधुनिक तकनीक से शुद्ध कर पीने योग्य बनाया जाएगा, जिससे धुरी शहर और आसपास के क्षेत्रों के करीब 85 हजार निवासियों को बेहतर, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भूजल संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय है और सरकार नहरी पानी के अधिकतम तथा विवेकपूर्ण इस्तेमाल के जरिए भूजल पर निर्भरता कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब उनकी सरकार ने कार्यभार संभाला था, तब राज्य के केवल 22 प्रतिशत कृषि क्षेत्र को नहरी पानी मिल रहा था। पिछले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 88 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके लिए करीब 14 हजार किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है, जिससे नहरी पानी खेतों के अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में नहरी पानी की उपलब्धता बढ़ी है, वहां धान की पैदावार में प्रति एकड़ चार क्विंटल तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ पेयजल किसी भी नागरिक के लिए विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी जरूरत और अधिकार है। दूषित पानी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद धुरी के लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिलेगा तथा विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इसका सीधा लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि 14 एमएलडी क्षमता वाला यह जल शोधन संयंत्र धुरी शहर की वर्तमान और भविष्य की पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। परियोजना से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लोगों को अधिक भरोसेमंद पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी।

SquareNet
Innovation & Excellence

Zoho Mail

Google Workspace

Microsoft 365

Advertisement

Are you looking for a reliable
EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from **SquareNet**

Secure & Reliable

Professional Email

Cloud Integration

24/7 Expert Support

Scalable for Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com

mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

Visit Us: www.azadvani.com

For Enquiry Call: **+91-90414-88440**

अंतरराष्ट्रीय दौरे के बाद पंजाब लौटे स्पीकर कुलतार सिंह संधवां, फिर संभाली लोगों की सेवा की जिम्मेदारी



चंडीगढ़, 7 अक्टूबर। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां अंतरराष्ट्रीय दौरे के बाद पंजाब लौट आए हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न देशों में संसदीय व्यवस्थाओं, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली और प्रवासी पंजाबी एवं सिख समुदाय से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भी उन्होंने शिरकत की, जहां विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संसदीय ढांचे से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

दौरे के बारे में जानकारी देते हुए स्पीकर संधवां ने साहिब श्री गुरु नानक देव जी के दर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने उस ऐतिहासिक प्रसंग को याद किया, जिसमें गुरु जी ने बुरे लोगों को एक स्थान पर बसे रहने और अच्छे लोगों को अलग-अलग स्थानों पर जाने का संदेश दिया था। संधवां के अनुसार, इस विचार का भाव यह है कि बुरे कर्म एक जगह तक सीमित रह सकते हैं, जबकि अच्छे लोग जहां भी जाते हैं, अपने साथ सेवा, भलाई और सकारात्मक विचार लेकर जाते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में हुए शामिल, प्रवासी पंजाबियों से संपर्क मजबूत करने पर जोर

स्पीकर संधवां ने कहा कि गुरु साहिब की इसी विचारधारा से प्रेरणा लेते हुए पंजाब के लोग दुनिया के अलग-अलग देशों में अपनी मेहनत, हुनर और लगन से पहचान बना रहे हैं। विदेशों में रहने वाले पंजाबी अपनी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और विरासत से जुड़े रहते हुए पंजाब की पहचान को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दौरे का उद्देश्य केवल विभिन्न देशों की यात्रा करना नहीं था, बल्कि वहां की संसदीय प्रणालियों और लोकतांत्रिक ढांचों को समझने के साथ-साथ प्रवासी भारतीयों, विशेष रूप से पंजाबी और सिख समुदाय के साथ संवाद स्थापित करना भी था। इस दौरान समुदाय की आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और चिंताओं को समझने का प्रयास किया गया।

दौरे के दौरान जर्मनी के बर्लिन में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों और पंजाबी समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात हुई। इस दौरान क्षेत्रीय मुद्दों के साथ-साथ विदेशों में बसे भारतीयों और पंजाबियों की आशाओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा की गई। समुदाय के सदस्यों ने भी पंजाब से जुड़े विभिन्न विषयों को सामने रखा।

मलेशिया के कुआलालंपुर में सिख समुदाय के साथ बैठक कर पंजाब और विदेशों में बसे पंजाबी समुदाय के बीच भावनात्मक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संबंधों को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया गया। वहीं पेनांग में पंजाबियों और सिख समुदाय के कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री चो कोन येओ और उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव के साथ भी मुलाकात की गई।

दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 67वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में स्पीकर संधवां ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ संसदीय लोकतंत्र, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। सम्मेलन को विभिन्न संसदीय व्यवस्थाओं को समझने और अनुभव साझा करने का मंच बताया गया।

दौरे के दौरान कनाडा सहित अन्य देशों में भी सामुदायिक कार्यक्रमों और बैठकों में हिस्सा लिया गया। इन बैठकों में पंजाब के विकास, प्रवासी समुदाय की भागीदारी और पंजाब के साथ विदेशों में बसे लोगों के संबंधों को और मजबूत करने से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे।

स्पीकर संधवां के अनुसार, विदेशों में हुई बैठकों के दौरान पंजाब में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने, औद्योगिक एवं व्यापारिक सहयोग को प्रोत्साहित करने, अंतरराष्ट्रीय उड़ान संपर्क को बेहतर बनाने और वैश्विक पंजाबी समुदाय की पंजाब के विकास में भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

ICCT इंडिया अध्ययन: इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर से डीजल खर्च में 84% तक की बचत, खेतों में डीजल ट्रैक्टर के बराबर प्रदर्शन



चंडीगढ़: इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (ICCT) द्वारा ‘अर्बन अड्डा 2026’ में जारी एक नए वास्तविक-प्रदर्शन पायलट अध्ययन में सामने आया है कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर खेतों में डीजल ट्रैक्टरों के बराबर या उससे कम समय में कृषि कार्य पूरा कर सकते हैं। अध्ययन के अनुसार, ई-ट्रैक्टरों के इस्तेमाल से प्रति एकड़ ऊर्जा लागत में 64 से 84 प्रतिशत तक की कमी संभव है।ह

रियाणा के 4 जिलों में 11 महीने चला भारत का पहला वास्तविक-प्रदर्शन ई-ट्रैक्टर पायलट अध्ययन; जुलाई, बुवाई, पराली प्रबंधन और परिवहन संचालन का किया गया विश्लेषण

भारत में अपनी तरह के इस शुरुआती 11 महीने के अध्ययन में हरियाणा के चार जिलों में चार निर्माताओं के पांच इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर मॉडलों का मैदानी परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान जुलाई, बुवाई, फसल अवशेष प्रबंधन यानी पराली प्रबंधन और परिवहन जैसे अलग-अलग कृषि कार्यों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन का उद्देश्य वास्तविक कृषि परिस्थितियों में ई-ट्रैक्टरों के प्रदर्शन और ऊर्जा उपयोग का आकलन करना था, क्योंकि अब तक इन वाहनों से जुड़े कई दावे मुख्य रूप से निर्माताओं द्वारा दिए गए तकनीकी आंकड़ों पर

आधारित रहे हैं।

अध्ययन में पराली प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण परिणाम भी सामने आए। स्ट्रॉ बेलर के साथ काम करने वाले एक इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर ने डीजल ट्रैक्टर की तुलना में प्रति घंटे 17 प्रतिशत अधिक बेल्स तैयार किए, जबकि इसके लिए लगभग एक-तिहाई ऊर्जा का उपयोग हुआ। इससे फसल अवशेषों के प्रबंधन को कम लागत और कम प्रदूषण के साथ अधिक प्रभावी बनाने की संभावनाएं सामने आई हैं।

अध्ययन ऐसे समय में जारी किया गया है जब धान की कटाई का मौसम शुरू हो चुका है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की चिंता फिर बढ़ जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि NCR में औद्योगिक और अन्य दुलाई कार्यों में डीजल ट्रैक्टरों का इस्तेमाल भी होता है। अध्ययन के अनुसार, मौजूदा उत्सर्जन मानकों के तहत नए 25-50 हॉर्सपावर के ट्रैक्टरों से होने वाला कण प्रदूषण एक ट्रक के लिए अनुमत स्तर से काफी अधिक हो सकता है।

‘अर्बन अड्डा 2026’ में जारी अध्ययन को जयेश रंजन, IAS, विशेष मुख्य सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी तथा शहरी एवं महानगरीय विकास, और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स की निदेशक

डॉ. देबोलिना कुंडू ने जारी किया।

ICCT इंडिया के प्रबंध निदेशक अमित भट्ट ने कहा कि भारत ने सड़क पर चलने वाले वाहनों के विद्युतीकरण में तेजी दिखाई है और अब इसी बदलाव को खेतों तथा अन्य गैर-सड़क वाहनों तक बढ़ाने की आवश्यकता है। उनके अनुसार, अध्ययन से संकेत मिलता है कि ई-ट्रैक्टर प्रदर्शन के मामले में डीजल ट्रैक्टरों की बराबरी कर सकते हैं, जबकि ऊर्जा लागत में उल्लेखनीय कमी ला सकते हैं।

अध्ययन के लेखक और शोधकर्ता अरविंद हरिकुमार ने कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर किसानों के लिए परिचालन लागत कम करने, आय में सुधार करने तथा शोर और कंपन को घटाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षण से तकनीक के वास्तविक कृषि परिस्थितियों में इस्तेमाल की संभावनाएं सामने आई हैं और अब ई-ट्रैक्टरों की मांग तथा आपूर्ति को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है।

अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक, ई-ट्रैक्टर कृषि क्षेत्र में ईंधन लागत घटाने के साथ-साथ फसल अवशेष प्रबंधन और वायु प्रदूषण कम करने की दिशा में भी उपयोगी विकल्प बन सकते हैं।

लाल-नीली बत्ती वाली कार का डीसीपी ने 5 किलोमीटर पीछा कर रुकवाया, 30 हजार रुपये का चालान

पंचकूला: पंचकूला में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी अभियान के तहत डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह ने अनधिकृत लाल-नीली बत्ती लगाकर घूम रही एक कार को करीब पांच किलोमीटर तक पीछा करने के बाद रुकवाया। जांच के दौरान यातायात नियमों के कई उल्लंघन सामने आने पर वाहन चालक का 30 हजार रुपये का चालान किया गया और कार को मौके पर ही इंपाउंड कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार घटना बीती रात करीब साढ़े 8 बजे की है। डीसीपी अमरिंदर सिंह सरकारी वाहन से सेक्टर-14 मार्किट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक कार पर पड़ी, जिस पर अस्थायी नंबर प्लेट के साथ लाल-नीली बत्ती लगी हुई थी। पुलिस के अनुसार कार पर लगी यह बत्ती अधिकृत नहीं थी। वाहन में दो युवक सवार थे।

डीसीपी ने कार चालक को वाहन रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने पुलिस के निर्देश का पालन करने के बजाय कार की गति बढ़ा दी। इसके बाद वह कार को आसपास के रिहायशी इलाकों की ओर ले गया। स्थिति को देखते हुए डीसीपी ने वाहन का पीछा शुरू किया और पुलिस टीम की मदद से कार को रोकने का प्रयास किया गया।

करीब पांच किलोमीटर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने कार को सेक्टर-15 के पास रुकवा लिया। इसके बाद मौके पर सिटी ट्रैफिक थाना प्रभारी को बुलाया गया और वाहन की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान कार में लगी अनधिकृत लाल-नीली बत्ती और अन्य यातायात नियमों से जुड़े उल्लंघन सामने आए।

पुलिस ने नियमों के उल्लंघन के आधार पर वाहन

चालक का 30 हजार रुपये का चालान किया। इसके साथ ही कार को मौके पर ही इंपाउंड कर थाना सेक्टर-14 में खड़ा करवा दिया गया। पुलिस द्वारा वाहन और चालक से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर अनधिकृत रूप से लाल-नीली बत्ती या सायरन का इस्तेमाल करना आम वाहन चालकों के लिए ही नहीं, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी भ्रम की स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है।

पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन ने कहा कि पंचकूला पुलिस यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर लगातार निगरानी कर रही है। अनधिकृत रेड- ब्लू लाइट, अवैध सायरन, ब्लैक फिल्म, प्रतिबंधित स्टीकर तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों पर केवल अधिकृत उपकरण और निर्धारित नंबर प्लेट का ही इस्तेमाल करें तथा यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सड़क पर अनुशासन बनाए रखना केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक वाहन चालक और नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन करके दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क पर सुरक्षित वातावरण बनाने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पुलिस के अनुसार, लाल-नीली बत्ती का अनधिकृत

इस्तेमाल केवल नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि इससे आम लोगों के बीच गलत संदेश भी जाता है। ऐसे वाहन चालक कई बार खुद को विशेष अधिकार प्राप्त व्यक्ति दिखाने की कोशिश करते हैं, जिससे सड़क पर अन्य वाहन चालकों पर अनावश्यक दबाव बनता है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी निजी वाहन पर बिना वैध अनुमति के लाल-नीली बत्ती, हूटर या सायरन का इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस की ओर से ऐसे मामलों की निगरानी बढ़ाई जा रही है और नियम तोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम ने वाहन की जांच के दौरान उसके दस्तावेजों और अन्य नियमों के अनुपालन को भी परखा। जांच में सामने आए विभिन्न यातायात उल्लंघनों को आधार बनाकर कुल 30 हजार रुपये का चालान किया गया। इसके बाद वाहन को कब्जे में लेकर सेक्टर-14 थाने में खड़ा करवाया गया।

इस घटना के दौरान कार चालक द्वारा पुलिस के रुकने के संकेत के बावजूद वाहन की गति बढ़ाना भी गंभीर मामला माना गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को जांच या कार्रवाई से बचने के लिए भागने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ऐसी स्थिति में पुलिस द्वारा कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

पंचकूला पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों पर ऐसी कोई लाइट, सायरन, स्टीकर या फिल्म न लगाएं जो नियमों के तहत प्रतिबंधित है। पुलिस का कहना है कि सड़क पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाहन चालकों का सहयोग बेहद जरूरी है।



मांधना स्कूल जाने वाले बच्चों को ढाई से तीन किमी पैदल चलने की मजबूरी, बस की समय-सारणी सुधारने की मांग



मांधना। मांधना स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को हरियाणा रोडवेज की बस सेवा की उचित समय-सारणी नहीं होने और बस के अनियमित संचालन के कारण रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल आने वाले कई बच्चों के लिए बस की सुविधा पर्याप्त नहीं होने के कारण उन्हें करीब ढाई से तीन किलोमीटर तक पैदल चलकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। इससे जहां विद्यार्थियों का समय और ऊर्जा प्रभावित हो रही है, वहीं उनकी सुरक्षा को लेकर भी अभिभावकों में चिंता बढ़ रही है।

गलत समय पर बस आने से बड़ी परेशानी, जंगल के रास्ते से पैदल गुजरने पर जंगली जानवरों का खतरा

अभिभावकों के अनुसार, स्कूल जाने और छुट्टी के बाद वापस लौटने के समय रोडवेज बस की टाइमिंग विद्यार्थियों की जरूरत के अनुरूप नहीं है। कई बार बस ऐसे समय पर आती है, जब बच्चे स्कूल जाने के लिए निकल चुके होते हैं या स्कूल से छुट्टी होने के बाद बस उपलब्ध नहीं होती। इस स्थिति में विद्यार्थियों के पास पैदल जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता।

सबसे बड़ी चिंता बच्चों के जंगल के रास्ते से पैदल गुजरने को लेकर है। अभिभावकों का कहना है कि ढाई से तीन किलोमीटर की दूरी तय करने के दौरान बच्चों को ऐसे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जो जंगल क्षेत्र से होकर निकलता है। इस मार्ग पर जंगली जानवरों की मौजूदगी की आशंका बनी रहती है। ऐसे में छोटे बच्चों को अकेले पैदल भेजना अभिभावकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

अभिभावकों ने बताया कि सुबह स्कूल पहुंचने के समय बच्चों को जल्दबाजी में पैदल रास्ता तय करना पड़ता है। वहीं छुट्टी के बाद भी यदि निर्धारित समय पर बस उपलब्ध नहीं होती तो उन्हें दोबारा पैदल ही घर की ओर खराना होना पड़ता है। गर्मी, बारिश या खराब मौसम के दौरान यह परेशानी और अधिक बढ़ जाती है। लंबे समय तक पैदल चलने के कारण बच्चों की पढ़ाई और शारीरिक थकान पर भी असर पड़ सकता है।

स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक परिवहन की सुविधा केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा से भी जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। यदि रोडवेज की बस स्कूल के आने-जाने के समय के अनुसार संचालित हो तो बच्चों को पैदल जंगल के रास्ते से गुजरने की जरूरत काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

अभिभावकों ने हरियाणा रोडवेज विभाग से मांग की है कि मांधना स्कूल के विद्यार्थियों की संख्या और स्कूल के समय को ध्यान में रखते हुए बस की समय-सारणी में आवश्यक बदलाव किया जाए। बस का संचालन सुबह स्कूल लगने से पहले और छुट्टी के बाद विद्यार्थियों के अनुकूल समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों को नियमित परिवहन सुविधा मिल सके।

अभिभावकों ने कहा कि बस सेवा का समय निर्धारित करने से पहले स्कूल प्रबंधन और स्थानीय लोगों से भी जानकारी ली जा सकती है। इससे विद्यार्थियों की वास्तविक जरूरत के अनुसार समय तय करने में मदद मिलेगी। यदि आवश्यकता हो तो स्कूल के आसपास के गांवों और विद्यार्थियों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए बस के रूट में भी उचित बदलाव किया जा सकता है।

अभिभावकों ने उम्मीद जताई कि हरियाणा रोडवेज विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों को रोजाना कई किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर होना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015